

प्रेषक,

किशन नाथ,

अपर सचिव

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

उद्यान भवन चौबटिया रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक/7 मई, 2006

विषय:-वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या-30 की आयोजनागत पक्ष की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त के पत्रांक-908/XXXVII(1)/2006 दिनांक 24 अप्रैल, 2006 तथा आपके पत्रांक-46/1-1(102)/2006-07, दिनांक 22, अप्रैल 2006 के माध्यम से प्रस्तुत प्रस्ताव के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की विभिन्न योजनाओं में प्राविधानित धनराशि रुपये 12205 हजार (रुपये एक करोड़ बाईस लाख पांच हजार मात्र) व्यय हेतु आपके निर्वतन/आवंटन में रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति निम्नांकित शर्तानुसार प्रदान करते हैं।

- 1-इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा।
- 2-उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-908/XXVII (1)/2006/दिनांक 24, अप्रैल 2006 में दिये गये निर्देशों, शासन से समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों तथा बजट मैनुअल के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 3-किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया(स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्ठादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4-अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेंजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- 5-निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।
- 6-व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

6

- 8-व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 9-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता की मद की धनराशि का आहरण एक मुश्त न करके तीन किश्तों में पूर्व स्वीकृत किश्त का पूर्ण उपयोग होने के उपरान्त ही अनुवर्ती किश्त का आहरण किया जायेगा। इस धनराशि का दिनांक 31/3/2007 तक मदवार व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र भी शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- 10-यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान(एस0सी0पी0) हेतु आवंटित धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों हेतु ही किया जाय।
- 11-जिला सेक्टर योजना में स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का जिलेवार आवंटन जनपदों में अनुसूचित जाति की जनसंख्या के अनुपात में ही किया जाय। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम की कार्य योजना भी प्रस्तुत की जाय, जिससे कार्यक्रम क्रियान्वयन की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सके।
- 12-अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय नियोजन विभाग द्वारा अनुमोदित परिव्यय के अंतर्गत ही किया जायेगा।
- 13-धनराशि का आहरण एक मुश्त न करके केवल आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 14-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत इकाईयों/मदों के नामे डाला जायेगा।
- 15-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-100/वित्त अनु0-4/2006/दिनांक 15/05/2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(किशन नाथ)
अपर सचिव।

संख्या-498/XVI/06/7(33)/06/तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, उत्तरांचल,ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा,देहरादून।
- 2-वित्त अनुभाग-4,उत्तरांचल शासन।
- 3-समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 4-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तरांचल।
- 5-मण्डलायुक्त,गढ़वाल/कुमायू,पौड़ी/नैनीताल।
- 6-समस्त जिलाधिकारी,उत्तरांचल।
- 7-स्टाफ आफिसर,मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
- 8-निजी सचिव,मा0 उद्यान मंत्री उत्तरांचल को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 9-राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर,देहरादून।
- 10-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(किशन नाथ)
अपर सचिव।

वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या 30 के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत की जाने वाली धनराशि का विवरण

(धनराशि हजार रु0में)

क्र० सं०	योजना का नाम/मद का नाम	प्राविधान 2006-07	स्वीकृत की जाने वाली धन० 06-07
1	2	3	4
	लेखाशीर्षक 2401- फसल कृषि कर्म, 00-आयोजनागत 119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें		
1	0201-प्रदेश के अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्योगिक विकास (जिला योजना)		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	3000	3000
	21-छात्रवृत्तियाँ और छात्रवैतन	15	15
	योग-201	3015	3015
2	0291-फल और सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण करने की योजना		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	750	750
	21-छात्रवृत्तियाँ और छात्रवैतन	25	25
	योग-291	775	775
3	0292-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री उपलब्ध कराना		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	4100	4100
	21-छात्रवृत्तियाँ और छात्रवैतन	115	115
	योग-0292	4215	4215
	योग- जिला सैक्टर	8005	8005
	राज्य सैक्टर		
4	0208-मधु मक्खी पालन की योजना		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	100	100
	44-प्रशिक्षण व्यय	100	100
	योग-0208	200	200
5	0209- मसाला विकास की योजना		
	31-सामग्री और सम्पूति	500	500
	योग-0209	500	500
6	0210-सघन एवं बैमौसमी सब्जियों के उत्पादन की योजना		
	31-सामग्री और सम्पूति	3500	3500
	योग-210	3500	3500
	योग- राज्य सैक्टर	4200	4200
	कुल योग- जिला + राज्य सैक्टर	12205	12205

(रूपये एक करोड़ बाइस लाख पांच हजार मात्र)

(किशन नाथ)
अपर सचिव।